

# GLEGOO

otra tipografía libre de “Google”

# देवनागरी

अन्य फ़ॉन्ट मुक्त “गूगल”

4 अगस्त 2014

ॐ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए ऐ ए  
ऐ ओ औ क ख ग घ ङ च  
छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण त थ द ध  
न ण प फ ब भ म य र ॠ ल ऌ ॡ  
व श ष स ह ा ाँ ाँ ाँ ाँ ाँ ि  
क ख ग ज ङ ड ढ फ य ऋ लृ अँ अँ  
आ औ अँ अँ ज्ञ ष ग ज ड ब

Hamburgevontpids  
दैव पूंजी वास्ते दयालुता

ऐ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए ऐ ए  
ऐ ओ औ क ख ग घ ङ च  
छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण त थ द ध  
न ण प फ ब भ म य र ॠ ल ऌ ॡ  
व श ष स ह ा ाँ ाँ ाँ ाँ ाँ ि  
क ख ग ज ङ ड ढ फ य ऋ लृ अँ अँ  
आ औ अु अु ज़ ष ग ज ड ब

Hamburgevontpids  
दैव पूंजी वास्ते दयालुता

# कुलसचिव के पत्र से कालेज प्रधानाचार्य असंतुष्ट

यूजीसी के कड़े रुख के बाद दबाव में विश्वविद्यालय प्रशासन डीयू ने वेबसाइट पर एफवाईयूपी के स्थान पर लिखा यूजी राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के चार वर्षीय पाठ्यक्रम पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के कड़े रुख के बाद डीयू प्रशासन भारी दबाव में है। कालेज प्रिंसिपल एसोसिएशन द्वारा अपनी स्थिति स्पष्ट कर देने के बाद डीयू पर दबाव बढ़ गया है। कालेज एसोसिएशन द्वारा डीयू और यूजीसी के बीच दाखिला संबंधी दिशा निर्देश को लेकर विरोधाभास की बात सामने आने पर आनन-फानन में डीयू की कुलसचिव ने कालेजों को यूजीसी द्वारा और जून को भेजे गए पत्र को ही बढ़ा दिया है। इसमें डीयू की तरफ से अतिरिक्त आदेश नहीं दिया है। इस पत्र से डीयू के कालेजों से कई प्रिंसिपल असंतुष्ट हैं।

प्रिंसिपलों का कहना है कि यह पत्र भ्रामक है और इसमें डीयू की तरफ से न कोई आदेश है और न ही कोई पक्ष। कालेजों के प्रिंसिपल को सोमवार को लिखे पत्र में कुलसचिव ने लिखा है, मुझे यूजीसी के सचिव से दिनांक 22 जून, 2014 के आदेश से महाविद्यालयों को भेजे गए सम-संख्यक और सम दिनांकित पत्र को प्रेषित करने का निर्देश प्राप्त हुआ है जो स्वतः स्पष्ट है। इस संबंध में कालेजों के प्रिंसिपलों का कहना है कि इस पत्र से कोई समाधान नहीं निकला है। ऐसे समय में डीयू को स्पष्ट रुख अख्तियार करना चाहिए। इधर, सोमवार की दोपहर को डीयू की वेबसाइट से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (एफवाईयूपी) स्टेटस की जगह स्नातक पाठ्यक्रम (यूजी) लगा दिया है। हालांकि, वेबसाइट के अन्य पेज पर यह बदलाव नहीं किया गया है।

कड़े फैसलों की मजबूरी संसद के बजट सत्र की तिथियों की घोषणा के साथ ही आम जनता की रेल बजट और आम बजट से उम्मीदें बढ़ जाना स्वाभाविक हैं। महंगाई से त्रस्त जनता यह चाहेगी कि बजट घोषणाएं उसके लिए कोई राहत की खबर लेकर आएँ, लेकिन कटु सच्चाई यह है कि मौजूदा आर्थिक हालात में सरकार चाहकर भी जनता को राहत देने की स्थिति में नहीं। यह सही है कि सरकार तेजी से काम करने के साथ बिगड़ी चीजों को बनाने के लिए अतिरिक्त श्रम कर रही है, लेकिन ऐसा लगता नहीं कि वह आर्थिक हालत सुधारने के साथ

कोसने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है, लेकिन देश के सामने यह आना ही चाहिए कि संपूर्ण शासन ने किस तरह हालात बेकाबू हो जाने दिए। आर्थिक मोर्चे पर दुर्दशा की तस्वीर उजागर करके ही मोदी सरकार कड़े फैसलों के औचित्य को सिद्ध करने में सक्षम हो सकेगी। पिछले दिनों रेल किराये-भाड़े में वृद्धि के फैसले से जनता को इसलिए और अधिक झटका लगा, क्योंकि सरकार ने यह फैसला लेने के पहले न तो कोई भूमिका बनाई और न ही जनता को यह बताने की जरूरत समझी कि भारतीय रेल किस तरह कंगाली की हालत

के अवसरों को पैदा करने और घाटे वाली अर्थव्यवस्था से उबरने के जो तमाम उपाय कर रही है उनके बारे में जनता को अवगत कराती चले। पिछले 20-25 दिनों में केंद्र सरकार की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में अनेक फैसले लिए गए हैं। इनमें से कुछ फैसले बेहद महत्वपूर्ण हैं और अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाले भी हैं, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि आम जनता इन फैसलों और उनसे होने वाले लाभों के बारे में पूरी तरह परिचित है। इन स्थितियों में यह आवश्यक हो जाता है कि रेल बजट और आम बजट की

18/28pt.- Grumpy wizards make toxic brew for the evil Queen and Jack. One morning, when Gregor Samsa **देवनगर** woke from troubled dreams, he found himself transformed in his bed into a horrible vermin. He lay on his armour like back, and if he lifted his head a little he could see his brown belly, slightly domed and divided by arches into stiff sections.

दुष्ट राक्षसों के राजा रावण का सर्वनाश करने वाले  
विष्णुवतार भगवान श्रीराम अयोध्या के महाराज दशरथ  
के बड़े सपुत्र थे राक्षसराज के दुष्ट राजा का सर्वनाश  
करने वाले विष्णु के अवतार भगवान श्रीराम का जन्म  
अयोध्या के राजा दशरथ के बड़े पुत्र के रूप में हुआ।

ऋषि साधु राक्षस क्षत्रिय ज्ञानी श्रीलंका शूरा  
खरदुशन आकार प्रकार राम कथा धनुष फल भारत पाप  
पुण्य अच्छाई बुराई जनक निर्जर शाप गडगा घृणा

**El veloz murciélago hindú** कौशल्या कैकई  
इतराना लज्जा तुलसीदास रचित केवट कठोर हार डंका  
ढोल जिधरअतेव सुअरिया ०१२३४५६७

The bedding was hardly able to cover it and seemed ready to slide off any moment. His many legs, pitifully thin compared with the size of the rest of him, waved about helplessly as he looked. 01234567890